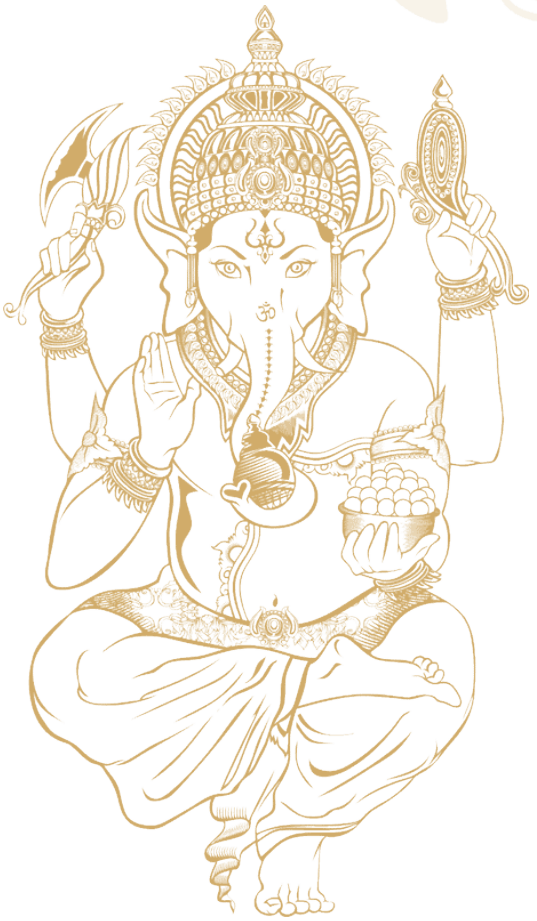

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121602102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11-12/11/1993	जन्म तिथि	23/10/1992
गुरु-शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 00:50:00	जन्म समय	19:30:00 घंटे
घटी 45:23:05	जन्म समय(घटी)	32:36:58 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:40:45	सूर्योदय	06:27:12
17:28:55	सूर्यास्त	17:43:28
23:46:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:40

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 4मा 12दि	08:20:04	सिंह	लग्न	वृष	09:43:31	सूर्य 1वर्ष 10मा 14दि
गुरु	25:38:44	तुला	सूर्य	तुला	06:39:22	राहु
25/03/2017	26:26:41	कन्या	चंद्र	कन्या	05:50:15	08/09/2011
25/03/2033	08:04:30	वृश्चि	मंगल	मिथु	26:17:40	07/09/2029
गुरु 13/05/2019	13:53:12	तुला व	बुध	तुला	28:58:03	राहु 21/05/2014
शनि 24/11/2021	06:32:05	तुला	गुरु	कन्या	08:56:36	गुरु 14/10/2016
बुध 01/03/2024	09:37:41	तुला	शुक्र	वृश्चि	10:54:29	शनि 20/08/2019
केतु 04/02/2025	00:02:35	कुंभ	शनि	मक	18:06:23	बुध 09/03/2022
शुक्र 06/10/2027	09:16:40	वृश्चि व	राहु व	वृश्चि	29:06:26	केतु 27/03/2023
सूर्य 25/07/2028	09:16:40	वृष व	केतु व	वृष	29:06:26	शुक्र 27/03/2026
चन्द्र 24/11/2029	25:18:23	धनु	हर्ष	धनु	20:40:47	सूर्य 19/02/2027
मंगल 31/10/2030	25:05:49	धनु	नेप	धनु	22:36:17	चन्द्र 20/08/2028
राहु 25/03/2033	01:24:48	वृश्चि	प्लूटो	तुला	28:13:19	मंगल 07/09/2029

लग्न-चलित

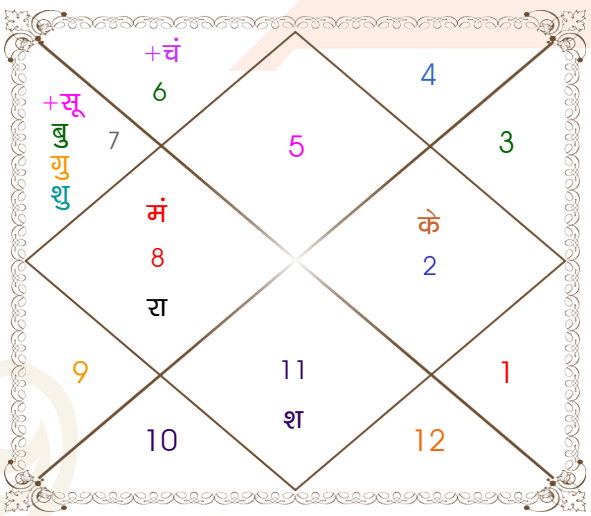

लग्न-चलित

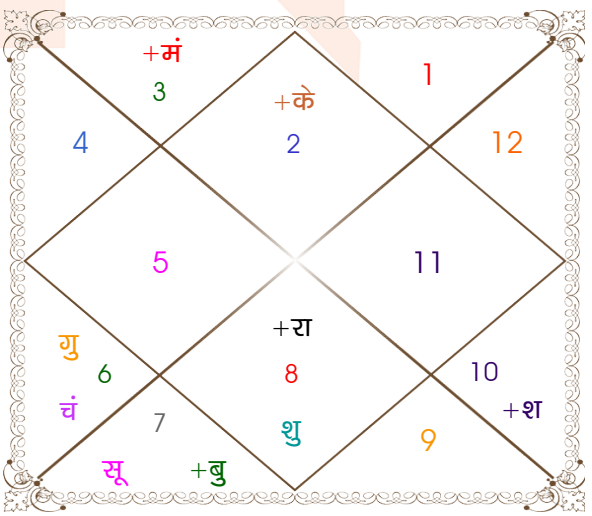

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गौ	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।